व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम

बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड, पटना में आपको अपने आप अध्ययन करना है अर्थात आप स्वयं सीखने वाले हैं। यहाँ आप अपनी गति और सुविधा के अनुसार अध्ययन कर सकते हैं। अध्ययन प्रक्रिया में पाठ्यक्रम से सम्बन्धित दी गई मुद्रित सामग्री पढ़ना तथा अध्ययन के दौरान आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम में उपस्थित होना अनिवार्य है।

बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड, पटना द्वारा निर्धारित सभी अध्ययन केन्द्रों पर हीं शिविर के दौरान व्यक्तिगत सम्पर्क कक्षाएँ आयोजित की जाती है। पंजीकरण के प्रथम सत्र में एक 30 दिवसीय व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम (शिविर) सैद्धांतिक तथा प्रायोगिक विषयों के लिए आयोजित किया जाएगा।

- शिविर की निर्धारित तिथियों में कोई परिवर्तन होता है तो अध्ययन केन्द्र एवं समाचार पत्रों के माध्यम से इसकी सूचना दी जाएगी। अतः आप अध्ययन केन्द्र से निरन्तर सम्पर्क बनाए रखें।
- व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम आयोजित होने वाले केन्द्र की जानकारी अपने अध्ययन केन्द्र से प्राप्त करें।
- प्रत्येक अध्ययन केन्द्र व्यक्तिगत सम्पर्क केन्द्र हैं परन्तु माध्यमिक स्तर पर जिन विषयों में शिक्षार्थियों की उपस्थिति 10 से कम तथा उच्च माध्यमिक स्तर पर जिन विषयों में शिक्षार्थियों की उपस्थिति 5 से कम होगी तो उनके लिए व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम केन्द्र किसी अन्य नजदीकी सम्पर्क केन्द्र पर आयोजित किया जाएगा।
- सम्पर्क केन्द्र पर जिन विषयों के अध्यापक उपलब्ध हैं, उन्हीं विषयों का अध्यापन करवाया जाएगा।
- पी0सी0पी0 कक्षाओं के लिए शिक्षार्थी अध्ययन केन्द्र को अतिरिक्त पैसा न दें।

व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम में विद्यार्थी से अपेक्षाएँ

अध्यापक अध्ययन–सामग्री को पढ़ने के दौरान उत्पन्न शंकाओं/समस्याओं का शिविर में समाधान करेंगे। इसका मतलब यह है कि आपको पहले स्वयं अध्ययन सामग्री को पढ़ना है, जिससे आप अपनी शंकाओं/समस्याओं को सामने रख सकें। औपचारिक विद्यालयों की तरह कक्षा में पढ़ाई की उम्मीद न रखें।

- शिक्षार्थी प्रायोगिक विषयों में प्रायोगिक कार्य करेंगे।
- विशिष्ट और कठिन प्रकरण के लिए शिक्षकों की सहायता लेंगे।
- आप अन्य शिक्षार्थियों के साथ मिलकर अध्ययन समूह बनाएँगे।
- अपने समूह के अन्य शिक्षार्थियों के साथ अध्ययन सम्बन्धी समस्याओं के बारे में विचार–विमर्श करेंगे।

सम्पर्क कक्षाएँ पाठ्यक्रम पूरा करने के उद्देश्य से नहीं होती हैं। शिविर में अध्यापक आपकी सहायता करने, समस्याओं का समाधान एवं मार्गदर्शन के लिए हैं। अतः यथासम्भव सभी पंजीकृत शिक्षार्थी व्यक्तिगत सम्पर्क शिविर की कक्षाओं में उपस्थित हों।